वर्ष 2014–15 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट माह 12/2020

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1.	54.0.0	राज्य सरकार ने यह भी तय किया है कि गंग नहर परियोजना, सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना, भाखड़ा नहर प्रणाली एवं अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना के शेष रहे खालों का भी निर्माण करवाया जावे	इस धोषणा की कियान्विति पूर्ण हो चुकी है।
1(अ)	54.1.0	गंग नहर परियोजना के फेज द्वितीय में 44,875 है. में 185 करोड़ रू. की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य हेतु डीपीआर तैयार की जा रही है ।	इस धोषणा की कियान्विति पूर्ण हो चुकी है। इस परियोजना की डीपीआर सीएडीडब्लयुएम कार्यक्रम के तहत शामिल किए जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा पुनरोद्वार मंत्रालय (एसपी विगं) के पत्रांक एन 19011/4/2015 सीएडीडब्ल्युएम दिनांक 28.09.15 द्वारा 44875 हैक्टेयर क्षेत्र में रुपये 146.74 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है।परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं दिनांक **31.12.2020** तक 37666 है0 क्षेत्र में रुपये 68.8756 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं एवं शेष कार्य वर्ष 2022–23 तक पूर्ण किये जाने सम्भावित हैं। इस परियोजना से श्रीगंगानगर जिला लाभान्वित होगा।
1(ब)	54.2.0	सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना में 23,822 है. में 115 करोड़ की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे ।	इस धोषणा की कियान्विति की जा रही है। इस परियोजना के शेष क्षेत्र 23822 हैक्टेयर क्षेत्र में से **12/2020** तक रु. **824.60** लाख की लागत से **3680** हैक्टेयर क्षेत्र में कार्य पूर्ण करवाए जा चुके है। वर्ष 2016–17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नही हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यो को राज्य सरकार द्वारा वितीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। परियोजना के शेष 21099 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यो हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रूपये 121 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में **भारत सरकार** को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई हैं। डीपीआर स्वीकृति बजट उपलब्ध होने एवं विभाग में विभिन्न स्तर के रिक्त पदों के भरे जाने की स्थिति में वर्ष 2022–23 तक सभी बकाया कार्य पूर्ण करवा दिया जाना संभव होगा। इस परियोजना से हनुमानगढ़ एवं चुरु जिले लाभान्वित होगें।
1(स)	54.3.0	अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना में 11,720 है. में 55 करोड़ रू. की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे ।	इस धोषणा की कियान्विति प्रगति पर है। इस परियोजना के शेष क्षेत्र 11720 है0 क्षेत्र में **12/2020** तक रु. **859.20**लाख की लागत से **4102** है0 क्षेत्र में कार्य पूर्ण करवाए जा चुके है। वर्ष 2016–17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नही हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यो को राज्य सरकार द्वारा वितीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। परियोजना के शेष 9149 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यो हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रूपये 51 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में **भारत सरकार** को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई हैं। डी.पी.आर स्वीकृति बजट उपलब्ध होने एवं विभाग में विभिन्न स्तर के रिक्त पदों के भरे जाने की स्थिति में वर्ष 2022–23 तक सभी बकाया कार्य पूर्ण करवा दिया जाना संभव होगा। इस परियोजना से हनुमानगढ़ जिला लाभान्वित होगा।

1(द)	54.4.0	भाखड़ा नहर प्रणाली की जहॉ नहरे पक्के हो चुकी है उसके 1,13,420 है. में 451 करोड़ की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य हेतु डीपीआर बनाई जायेगी।	इस घोषणा की कियान्विति प्रगति पर है। भाखड़ा नहर परियोजना की डी.पी.आर सीएडी डब्ल्यूएम कार्यक्रम में शामिल किये जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन ,नदी विकास एवं गंगा Rejuvenation मंत्रालय (एसपी विंग) के पंत्रांक एन 19011/3/2015 सीएडीडब्ल्युएम दिनांक 28.09.2015 द्वारा 1,13,420 है0 क्षेत्र में रु. 370.88 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है। इस परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं **12/2020** तक **60794** है0 में रुपये **322.9837** करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किये जा चुके है। वर्ष 2016–17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नही हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यो को राज्य सरकार द्वारा वितीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। परियोजना के शेष 87689 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यों हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रूपये 358 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई हैं। डी.पी.आर स्वीकृति बजट उपलब्ध होने एवं विभाग में विभिन्न स्तर के रिक्त पदों के भरे जाने की स्थिति में वर्ष 2022–23 तक सभी बकाया कार्य पूर्ण करवा दिया जाना संभव होगा। इस परियोजना से हनुमानगढ़ एवं चुरु जिले लाभान्वित होगें।

वर्ष 2015–16 की बजट घोषणाओं की कियान्विति रिपोर्टः–(माह 12/2020)

1.	87.7.0	आगामी वर्ष में कोटा, बूंदी, टोंक, श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिले में 53612 है. में 118 करोड़ की लागत से पक्के खालों का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर 40 हजार है. क्षेत्र में इसे पूरा करवाया जायेगा ।	इस धोषणा की कियान्विति पूर्ण हो चुकी है। श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिलों में इस वर्ष में पक्का खाला निर्माण लक्ष्य 40,000 हैक्टेयर के विरूद्ध माह मार्च 2016 तक गंगनहर परियोजना फेज–I में 32609 है0, सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना में 1146 है0, अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना में 1994 है0, भाखड़ा नहर परियोजना में 6013 है0 एवं गंग नहर परियोजना फेज–II में 1389 है0 कुल 43151 है. मे पक्का खाला निर्माणं कार्य करवाया जा चुका है।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बीकानेर संभाग के दौरे के दौरान की गई घोषणा की कियान्वितिः– (माह 12/2020)

7.	117–(0)	अन्तराष्ट्रीय सीमा से संलग्न 0 से 5 किमी परिधि में विधमान पानी के कच्चे खालों को पक्का किया जावेगा	इस धोषणा की कियान्विति प्रगति पर है। अन्तराष्ट्रीय सीमा से संलग्न 0 से 5 किमी परिधि में आने वाले क्षेत्र हेतु गंग नहर परियोजना फेज–II को सीएडी डब्ल्यूएम कार्यक्रम के तहत शामिल किये जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन ,नदी विकास एवं गंगा Rejuvenation मंत्रालय (एसपी विंग) के पंत्रांक एन 19011/4/2015 सीएडीडब्ल्युएम दिनांक 28.09.2015 द्वारा 44875 है0 क्षेत्र में रु. 146.74 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है। परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है। दिनांक **31.12.2020** तक **37666** है0 क्षेत्र में रुपये **68.8756** करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किए जा चुके है एवं शेष कार्य वर्ष 2022–23 तक पूर्ण किए जाने सम्भावित है। इस परियोजना से श्रीगंगानगर जिला लाभान्वित होगा।

वर्ष 2017–18 की बजट घोषणाओं की कियान्विति रिपोर्टः–(माह 12/2020)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	1133.01.0 (2017–18)	आगामी वित्तीय वर्ष 2017–18 मे माही, पांचना, चवली, छापी गभीरी, जवाई, भाखड़ा फेज–2 एव गंगनहर फेज–3 के नहर प्रणाली क्षेत्रों में पक्के खालों का निर्माण प्रारम्भ करवाया जायेगा, जिससे 3 लाख 56 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में किसानो को सिचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।	इस संगठन के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा दिनांक 31.08.17 द्वारा Incentivisation Scheme for Bridging Irrigation Gap (ISBIG) योजना की जारी गाइडलाईन के अनुसार गंगनहर परियोजना फेज–तृतीय (सीसीए 146644 हैक्टेयर लागत रू0 631 करोड़)) भाखड़ा परियोजना फेज–प्रथम (सीसीए 87689 हैक्टेयर लागत रू0 358 करोड़) भाखड़ा परियोजना फेज–द्वितीय (सीसीए 179138 हैक्टेयर लागत रू0 718 करोड़) सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना (सीसीए 21099 हैक्टेयर लागत रू0 121 करोड़) अमर सिंह सब ब्रांच परियोजना (सीसीए 9149 हैक्टेयर लागत रू0 51 करोड़) की डीपीआर तैयार कर इस कार्यालय के पत्रांक स्पेशल–1 दिनांक 26.09.17 द्वारा मुख्य अभियन्ता(पूर्व(सीएडी जयपुर को प्रस्तुत की गई है। इन डीपीआर को स्वीकृति हेतु भारत सरकार के स्तर पर प्रक्रियाधीन है।

वर्ष 2018–19 की बजट घोषणाओं की कियान्विति रिपोर्टः–(माह 12/2020)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	33.0.0 (2018–19)	सिंचित क्षेत्र विकास विभाग के माध्यम से चम्बल, बीसलपुर, गंगनहर, भाखड़ा नहर, सिद्वमुख नोहर एवं अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना पर अगामी वर्ष में रुपये 220 करोड़ का व्यय प्रस्तावित है।	इस संगठन के अन्तर्गत गंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चुरु जिलों में गंगनहर, भाखड़ा नहर परियोजना ,सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना, अमर सिंह सब ब्रांच परियोजना में वर्ष 2018–19 हेतु पक्का खाला निर्माण हेतु रुपयें 75 करोड़ का बजट प्रावधन किया गया था। वित्तीय वर्ष 2018–19 में लगभग रूपये 73.60 करोड़ के कार्य पूर्ण करवाये जा चुके हैं।